रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 22 दिसम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 313 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अपनी पहल एवं नवाचारों से रखी आधुनिक भारत के विकास की आधारशिला- उप राष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

इंदौर में आयोजित भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जन्म शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि स्व. श्री अटलजी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचार और मिशन थे। उनके कर्म, आदर्श और सुशासन की दृष्टि आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक प्रकाश हैं। समारोह में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि स्व. श्री अटल जी का जीवन ऐसे ग्रंथ की भाँति था, जिसका प्रत्येक पृष्ठ नैतिकता, उत्कृष्टता और राष्ट्रधर्म की राह दिखाता है। स्व. श्री अटल जी केवल राजनेता नहीं थे, बल्कि वे कवि, चिंतक, अद्भुत नेतृत्व गुणों से संपन्न, विनम्र, संवेदनशील और स्वाभिमानी राष्ट्रभक्त थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन में कहा कि स्व. श्री अटलजी का जीवन विचारों की दृढ़ता, राष्ट्रधर्म और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अटूट समर्पण का अनुपम उदाहरण है। उनका व्यक्तित्व ऐसा था जिसने हर काल और हर युग में भारतीय राजनीति को दिशा दी। उनकी राजनीतिक यात्रा भारतीय लोकतंत्र की प्रेरक गाथा है।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर इंदौर में 'शून्य से शतक' कार्यक्रम का गरिमामय रूप से आयोजन किया गया। इस गरिमामय समारोह में देश के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन, मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चार प्रतिष्ठित विद्वानों को 'अटल अलंकरण' से अलंकृत किया। कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं अटल फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती माला वाजपेयी तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने समारोह में कहा कि मां अहिल्या की पावन धरती पर आकर उन्हें विशेष प्रसन्नता है। उन्होंने अटल फाउंडेशन के मंच से स्व. श्री अटल जी के जीवन, व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि स्व. श्री अटल जी संवाद, समावेशी विकास और मानवीय सुशासन में विश्वास रखते थे। सांसद, कवि और प्रधानमंत्री—हर भूमिका में उन्होंने सार्वजनिक विमर्श को गरिमा दी और सिद्ध किया कि राजनीति सिद्धांतनिष्ठ और करुणामय हो सकती है। उन्होंने अटल सरकार की प्रमुख उपलब्धियों प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना, दिल्ली मेट्रो, नए राज्यों का गठन (झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड) तथा पोखरण परमाणु परीक्षण का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों ने आधुनिक भारत की नींव मजबूत की। उपराष्ट्रपति श्री राधाकृष्णन ने कहा कि स्व. श्री अटल जी की विरासत को आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी आगे बढ़ा रहे हैं और देश को विकसित भारत–2047 के लक्ष्य की ओर दृढ़ता से अग्रसर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्व. श्री अटल जी भले हमारे बीच शारीरिक रूप से न हों, लेकिन उनके आदर्श सदैव हमारे हृदयों में जीवित रहेंगे और राष्ट्र को दिशा देते रहेंगे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का प्रेरक संबोधन

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने अटल जन्म शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी के पावन अवसर पर विचार अभिव्यक्त करने का अवसर मिलना उनके लिए गर्व और हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि स्व. श्री अटल जी की जन्म शताब्दी केवल पुण्य स्मरण का प्रसंग नहीं, बल्कि उनके विराट व्यक्तित्व, उच्च आदर्शों और दूरदर्शी नेतृत्व से प्रेरणा प्राप्त करने का पावन क्षण है। उन्होंने स्वयं को भाग्यशाली बताते हुए कहा कि उन्हें स्व. श्री अटल जी के सानिध्य में कार्य करने का अवसर मिला, जहाँ उनके महान आभामंडल में रहकर उन्हें करीब से देखने, समझने और उनसे प्रेरित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि स्व. श्री अटल जी के व्यक्तित्व और कृतित्व को कुछ शब्दों में समेटना संभव नहीं है, वे एक विराट व्यक्तित्व और एक चलता-फिरता महाकाव्य थे। उनकी वाणी में ओज था, जो जनमानस में ऊर्जा और राष्ट्रभाव का संचार करती थी। वे असंख्य कार्यकर्ताओं के लिए प्रकाश-पुंज थे। उनका जीवन ऐसे ग्रंथ की भाँति था, जिसका प्रत्येक पृष्ठ नैतिकता, उत्कृष्टता और राष्ट्रधर्म की राह दिखाता है। स्व. श्री अटल जी केवल राजनेता नहीं थे, बल्कि वे कवि, चिंतक, अद्भुत नेतृत्व गुणों से संपन्न, विनम्र, संवेदनशील और स्वाभिमानी राष्ट्रभक्त थे। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने गठबंधन राजनीति के दौर में भी संवाद, समन्वय और समानता के उच्च आदर्श प्रस्तुत किए, जो भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में मील का पत्थर हैं। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि यदि हम स्व. श्री अटल जी के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में देश और समाज के लिए योगदान कर सकें, तो वही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भावपूर्ण उद्बोधन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी राष्ट्र नीति के शिखर पुरुष, राजनीति के अजातशत्रु और भारतीय लोकतंत्र की मर्यादा के प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि स्व. श्री अटल जी का जीवन विचारों की दृढ़ता, राष्ट्रधर्म और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अटूट समर्पण का अनुपम उदाहरण है। स्व. श्री अटल जी का व्यक्तित्व ऐसा था जिसने हर काल और हर युग में भारतीय राजनीति को दिशा दी।

उनकी राजनीतिक यात्रा भारतीय लोकतंत्र की प्रेरक गाथा है। लोकसभा में उनके ओजस्वी भाषणों से सत्ता और विपक्ष—दोनों ही अपने कर्तव्यों के प्रति सजग होते थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्व. श्री अटल जी की भूमिका को याद करते हुए कहा कि उन्होंने नेता प्रतिपक्ष के रूप में भी लोकतंत्र की गरिमा को ऊँचाई दी। बांग्लादेश युद्ध से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों तक भारत का मान बढ़ाया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिया गया उनका भाषण देश की सांस्कृतिक अस्मिता का ऐतिहासिक क्षण रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. श्री अटल जी की सरकार चलाने की शैली पवित्रता और नैतिक साहस की मिसाल थी।

गठबंधन सरकार हो या एक वोट से बहुमत का प्रश्न

परमाणु परीक्षणों के माध्यम से उन्होंने भारत को आत्मसम्मान और सामर्थ्य का संदेश दिया। कारगिल संघर्ष के समय उनके नेतृत्व ने देश की सीमाओं और स्वाभिमान की रक्षा का संकल्प दृढ़ किया। उन्होंने स्व. श्री अटल जी की कविताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका साहित्य जीवन, समाज और लोकतंत्र को समभाव से आगे बढ़ने की सीख देता है। यह हम सबके लिए मार्गदर्शक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया

25 दिसंबर को जन्म शताब्दी वर्ष के समापन अवसर पर ग्वालियर से 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक के औद्योगिक निवेशों/विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण स्व. श्री अटल जी को समर्पित किया जाएगा, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि स्व. श्री अटल जी मध्यप्रदेश की धरती से निकले ऐसे महापुरुष हैं, जिनका योगदान विश्व लोकतंत्र को गौरव प्रदान करता है। समारोह के लिए राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु द्वारा प्रेषित शुभकामना संदेश का वाचन भी कार्यक्रम में किया गया।

स्व. श्री अटल जी की जन्म शताब्दी

के उपलक्ष्य में पूरे देश में वर्षभर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में वर्ष के समापन से पूर्व इंदौर में 'शून्य से शतक' कार्यक्रम का आयोजन कर उनके विचारों, योगदान और व्यक्तित्व का स्मरण किया गया। पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सत्यनारायण जटिया ने स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व और कृतित्व की जानकारी देते हुए कविता पाठ के माध्यम से स्व अटलजी का स्मरण किया।

इन विभूतियों को मिला 'अटल अलंकरण'

इस अवसर पर श्री सत्यनारायण सत्तन (प्रसिद्ध कवि), श्री सत्यनारायण जटिया (पूर्व केंद्रीय मंत्री), श्री संजय जगदाले (भारतीय क्रिकेट टीम चयन समिति के पूर्व चयनकर्ता) तथा श्री पारंग शुक्ला (सागर) को 'अटल अलंकरण' से सम्मानित किया गया। समारोह में स्व. श्री अटल जी के जीवन पर आधारित एक भावपूर्ण लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। साथ ही, अटल जी से जुड़े संस्मरणों पर आधारित पुस्तक सदा अटल महाग्रंथ के तृतीय संस्करण के कवर पेज तथा केलेण्डर का विमोचन भी किया गया। अटल फाउंडेशन की श्रीमती माला तिवारी वाजपेई ने स्वागत भाषण दिया।

जिला कांग्रेस ने केंद्र सरकार के फैसले के विरोध में किया धरना प्रदर्शन

सैकड़ो कांग्रेस पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन में लिया भाग

झाबुआ=हाल ही में केंद्र में बैठी भाजपा समर्थित सरकार के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के करोड़ों किसानों गरीब तबके के मजदूर वर्गों के साथ कुठाराघात करते हुए 20 वर्ष पूर्व कांग्रेस सरकार द्वारा देश के करोड़ मजदूर वंचित लोगों के लिए महात्मा गांधी रोजगार गारंटीकृत अधिनियम योजना मनरेगा लागू की थी हाल ही में मोदी सरकार ने योजना का स्वरूप बदलने के साथ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम भी बदल दिया गया जिसका पूरे देश में विरोध हो रहा है आज 21 दिसंबर को स्थानीय बस स्टैंड स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष जिले भर के कांग्रेस पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन कर विरोध प्रकट किया है धरना प्रदर्शन के पूर्व समस्त कांग्रेस नेताओं पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि 20 साल पहले डॉक्टर मनमोहन सिंह जी प्रधानमंत्री थे तब संसद में मनरेगा कानून आम राय से पास किया गया था यह ऐसा क्रांतिकारी कदम था जिसका फायदा करोड़ों ग्रामीण परिवारों को मिला था खास तौर पर वंचित शोषित गरीब और अति गरीब लोगों के लिए रोजी-रोटी का जरिया बना रोजगार के लिए अपनी माटी अपना गांव अपना घर परिवार छोड़कर पलायन करने पर रोक लगी रोजगार का कानूनी हक दिया गया साथ ही ग्राम पंचायत को ताकत मिली मनरेगा के जरिए महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपनों के भारत की ओर एक ठोस कदम कांग्रेस सरकार ने उठाया था आज मोदी सरकार उनके सपनों को चकना चूर- करने पर तुली हुई है जिसका कांग्रेस पार्टी पूर जोर से विरोध करती है डॉ विक्रांत भूरिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि पिछले 11 साल में मोदी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार गरीब वंचितों के हितों को नजरअंदाज कर मनरेगा को कमजोर करने की हर कोशिश की जबकि कोविड उपरांत कोरोना कहर के समय में यह गरीब वर्ग के लिए संजीवनी साबित हुआ केंद्र सरकार द्वारा यह सोची समझी एक साजिश के तहत सत्ता के नशे में चूर एक तानाशाही की मनमानी के चलते देश के करोड़ वंचित गरीब तबके के साथ अन्याय कर उनका रोजगार छिना जा रहा है कांग्रेस अब अब घर से लेकर सड़क तक और सड़क से लेकर संसद तक इसका विरोध जारी रखेगी महात्मा गांधी वादी और नाथूराम गोड़से वादी मैं फर्क है हम जोड़ने की बात करते हैं वह तोड़ने की बात करते हैं उन्होंने कहा कि मेरा चैलेंज है मनरेगा से तुमने नाम हटा दिया तुमने ताकत हो तो नोटों से उनका फोटो हटा कर देखो भाजपा का जनता को भ्रमित करना रहा है मोदी सरकार के तुगलकी निर्णय को कांग्रेस कभी बर्दाश्त नहीं करेगी इसका विरोध जारी रहेगा।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रांका ने कहा कि जब से भाजपा सरकार केंद्र और प्रदेश में बैठी है सिर्फ नाम बदलने की राजनीति ही कर रही है विकास कोसों दूर है मनरेगा की योजना कांग्रेस की योजना थी जिसका स्वरूप बदल गया राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम बदल गया जिसे कांग्रेस कभी बर्दाश्त नहीं करेगी जिसे हम पुर जोर तरीके से विरोध करते हैं आयोजित धरना प्रदर्शन के मौके पर विधायक वीर सिंह भूरिया पूर्व विधायक जेवियर मेडा वाल सिंह मेडा प्रदेश प्रवक्ता साबिर फिटवेल रूप सिंह डामोर नटवर डोडियार ब्लॉक अध्यक्ष सलीम शेख खुना गुड़िया यामीन शेख महिला कांग्रेस प्रदेश सचिव श्वेता गंगा मोहनिया जितेंद्र सिंह राठौर ने भी संबोधित किया इस अवसर पर मानसिंह मीणा कालू सिंह नलवाया श्रीमती शीला भूरिया सुरेश समीर राकेश डामोर। भूरसिंह वसुनिया थावरिया डामोर वसीम सैयद लोकेंद्र बिलवाल किलो भूरिया पुनीत पडियार सायरा बानो शीला मकवाना गोलू कुरैशी गुफरान कुरैशी बंटी डामोर जितेंद्र शाह प्रताप सिंह सोलंकी करीम शेख आदि उपस्थित थे धरना प्रदर्शन का संचालन प्रदेश प्रवक्ता साबिर फिटवेल ने किया वहीं आभार प्रकट जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रांका ने व्यक्त किया।

स्पर्धा में विभिन्न प्रांतों की कुल 26 टीमों ने भाग लिया

मानपुर नवयुवक मंडल मानपुर के तत्वावधान में आयोजित परंपरागत शुटिंगबॉल (व्हालीवाल) स्पर्धा का शुभारंभ शुक्रवार दोपहर 4 बजे राजा मानसिंह भवन मैदान पर हुआ। दिन व रात में आयोजित होने वाली इस तीन दिवसीय स्पर्धा का फाइनल मुकाबला 21 दिसंबर को खेला जाएगा। स्पर्धा में विभिन्न प्रांतों की कुल 26 टीमों ने भाग लिया। यह स्पर्धा अखिल भारतीय शुटिंगबॉल (व्हालीवाल) फेडरेशन ऑफ इंडिया, भारत शासन के सानिध्य में आयोजित की गई है। स्पर्धा के अंतर्गत मध्यप्रदेश शुटिंगबॉल संघ, नई दिल्ली द्वारा स्टेट चैंपियनशिप आयोजित कर अखिल भारतीय शुटिंगबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों का चयन किया जाएगा। स्पर्धा में फेडरेशन की ओर से कोच और रेफरी सहित खेल अधिकारी भी पहुंचे। आयोजक रवीना पवन यादव के मुताबिक यह स्पर्धा दिन एवं रात्रि दोनों समय आयोजित की जाएगी। स्पर्धा के तहत प्रतिदिन कुल 8 मैच खेले जाएंगे, जिनमें 4 मैच पुरुष वर्ग के एवं 4 मैच महिला वर्ग के होंगे।

टीमों के लिए विशेष व्यवस्थाएं

आयोजन समिति के पवन यादव ने बताया कि राजा मानसिंह भवन मैदान को प्रतियोगिता के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। दर्शकों के लिए अस्थायी स्टेडियम में महिला एवं पुरुषों के बैठने की अलग-अलग व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही विभिन्न प्रांतों से पहुंची टीमों के लिए ठहरने, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की भी समुचित व्यवस्था की गई है।

आकर्षक नगद पुरस्कारों की घोषणा

स्पर्धा आयोजक रवीना पवन यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में विजेता टीमों एवं उत्कृष्ट खिलाड़ियों को आकर्षक नगद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसमें पुरुष वर्ग में प्रथम पुरस्कार 55,555, द्वितीय पुरस्कार 33,333, तृतीय पुरस्कार 22,222, चतुर्थ पुरस्कार 11,111 एवं चतुर्थ से आठवें स्थान तक 4,444 (प्रत्येक टीम) को एवं सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को 5,555 नकद दिए जाएंगे। इसी तरह महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार 21,111, द्वितीय पुरस्कार 11,111, तृतीय पुरस्कार 7,111, चतुर्थ पुरस्कार 5,111, सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को 4,444 नकद प्रदान किए जाएंगे। स्पर्धा के तहत विजेता टीमों को विशेष ट्राफी भी प्रदान की जाएगी।

शुक्रवार दोपहर लगभग 4 बजे मुख्य अतिथि नारायण यादव (उज्जैन), पूर्व विधायक अंतर सिंह दरबार एवं चिंटू वर्मा द्वारा मां सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलन कर स्पर्धा का शुभारंभ किया गया। पश्चात अतिथियों का स्वागत नवयुवक मंडल मानपुर के सदस्यों द्वारा करते हुए स्मृति चिन्ह भेंट किए। स्वागत सम्मान उद्बोधन पश्चात खेल मैदान में अतिथियों द्वारा फीता काटकर विधिवत स्पर्धा का शुभारंभ किया गया। पश्चात अतिथियों ने विदिशा और देवास एवं भोपाल ओर खरगोन की टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर चारों टीम के बीच मैच शुरू कराया। इस अवसर पर स्पर्धा संयोजक हेमंत पाल, सह-संयोजक रवि यादव, आयोजक एवं नगर परिषद अध्यक्ष रवीना पवन यादव, आशा अभिषेक मित्तल, विनोद जाट, जयश्री पाटीदार, सरपंच रवि पाटीदार, अजहर महमूद सेठ, अरुण यादव, जितेंद्र बाजड़ोलिया सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रणजीत टाइम्स

मिल क्षेत्र के मज़दूरों का भरोसा

संघर्ष और सम्मान का नाम हरनाम सिंह धालीवाल

योगेश शाक्यवार (अक्षत)

इंदौर। मध्यप्रदेश की औद्योगिक राजधानी इंदौर का दो नंबर विधानसभा क्षेत्र, जिसे आम तौर पर मिल क्षेत्र के नाम से जाना जाता है, कभी अपने अलग ही कारणों से चर्चित रहा है। एक समय यह इलाका दादा और बहादुरों के लिए फेमस माना जाता था, लेकिन वक्त के साथ इस क्षेत्र की पहचान बदलती चली गई। आज यह इलाका संघर्ष, मेहनत और मज़दूरों के हक की लड़ाई का प्रतीक बन चुका है। इसी बदलाव की कहानी के केंद्र में एक ऐसा नाम है, जिसे यहां के मज़दूर मसीहा के रूप में याद करते हैं। यह नाम है इंटक के वरिष्ठ नेता हरनाम सिंह धालीवाल का, जिनका जन्मदिन बिते कल 21 दिसम्बर को मनाया गया । इस अवसर पर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

»» हरनाम सिंह धालीवाल उन गिने-चुने लोगों में शामिल हैं, जो धमकी और डर की राजनीति से नहीं, बल्कि प्यार, अपनत्व और स्नेह से लोगों को अपना बनाते हैं। मिल क्षेत्र के मज़दूरों के लिए वह सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि परिवार के सदस्य की तरह हैं। हुकुमचंद मिल के किसी भी पुराने या वर्तमान मज़दूर से अगर पूछा जाए, तो जवाब लगभग एक जैसा ही मिलता है। मज़दूर कहते हैं कि हमारे दो भगवान हैं, एक ऊपर वाला और दूसरा हरनाम भैया। यह बात सिर्फ भावनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे तीन दशक से ज्यादा लंबा संघर्ष और त्याग छुपा हुआ है।

»» इस संघर्ष की शुरुआत वर्ष 1991 में हुई, जब हुकुमचंद मिल को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। उस दौर में हजारों मज़दूरों के सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया था। इसी समय इंटक के तत्कालीन अध्यक्ष विष्णु उस्ताद काशिद जी ने कोर्ट में मज़दूरों के हक के लिए मामला दायर किया और इस केस में अपने साथी के रूप में हरनाम सिंह धालीवाल को शामिल किया। उस्ताद जी ने उस समय धालीवाल से साफ शब्दों में कहा था कि जिंदगी का कोई भरोसा नहीं है, हो सकता है मैं ज्यादा दिन न रहूं, लेकिन चाहे मैं रहूं या न रहूं, इन मज़दूरों को उनका हक हर हाल में मिलना चाहिए।

»» उस्ताद जी को यह भरोसा था कि उनके बाद अगर कोई एक व्यक्ति इस लड़ाई को अंजाम तक पहुंचा सकता है, तो वह हरनाम सिंह धालीवाल ही हैं। यह भरोसा यूं ही नहीं था। उस्ताद जी के जाने के बाद हरनाम धालीवाल ने अकेले कंधों पर इस भारी जिम्मेदारी को उठाया। उन्हें वक्त जरूर लगा, मुश्किलें आईं, सरकारें बदलीं, फाइलें चलीं, बयानबाजी हुई और कई बार ऐसा लगा कि यह लड़ाई शायद कभी पूरी नहीं हो पाएगी। लेकिन हरनाम धालीवाल अपने संकल्प से पीछे नहीं हटे।

मज़दूरों का यह मामला धीरे-धीरे बड़ा होता गया और इसकी गूंज प्रधानमंत्री तक पहुंची

पहुंचना भी जरूरी था, क्योंकि यह सिर्फ किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि हजारों मज़दूर परिवारों के भविष्य का सवाल था। सरकारों ने इस मुद्दे पर खूब वाहवाही भी लूटी, लेकिन असल लड़ाई जमीन पर हरनाम धालीवाल ही लड़ते रहे। आखिरकार वह दिन भी आया, जब मज़दूरों को उनका हक मिला। जब मज़दूरों के खाते में पैसा पहुंचा, तो यकीनन स्वर्ग में बैठे विष्णु उस्ताद काशिद जी से ज्यादा खुश कोई नहीं रहा होगा।

»» आज उस्ताद जी हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका सपना, उनकी लड़ाई और उनका भरोसा हरनाम सिंह धालीवाल के रूप में जिंदा है। मिल क्षेत्र के मज़दूर आज भी यही कहते हैं कि मज़दूर मज़दूर भाई-भाई लेकर रहेंगे, पाई-पाई का हिसाब होगा और हक की लड़ाई कभी कमजोर नहीं पड़ेगी। हरनाम सिंह धालीवाल का जीवन इस बात का प्रमाण है कि सच्ची नीयत, धैर्य और संघर्ष के दम पर सबसे कठिन लड़ाई भी जीती जा सकती है।

ध्यान आनंद की अनुपम अवस्था है जिसे प्रत्येक व्यक्ति प्राप्त कर सकता है

रणजीत टाइम्स

भारत देश योग भूमि है योग साधना कर ध्यान करना यहां की प्राचीन परंपरा रही है संपूर्ण भारतीय तत्वज्ञान और दर्शनशास्त्र योग द्वारा ब्रह्म शक्ति से तादात्म्य पाकर ध्यान अर्थात निर्विचार समाधि प्राप्त करने की कला सिखाता है। हमारे भारतीय तत्वज्ञान के चार प्रमुख मंत्र वाक्य हैं 'अहम् ब्रह्मास्मि', 'अयमात्मा ब्रह्म', 'तत्वमसि' और 'सर्वं खल्विदं ब्राह्मासि'।

परम पूज्य श्री माताजी प्रणीत सहज योग हमें ध्यान करने की कला सिखाता है। पतंजलि ऋषि कहते हैं, 'योगाः चित्तवृत्ति निरोधाः' अर्थात चित्तवृत्ति को नियंत्रित कर उन चित्तवृत्तियों को ब्रह्म शक्ति में लीन करना ही ध्यान है। सहज योग में जब साधक को आत्म साक्षात्कार प्राप्त होता है तब उस साधक के चित्त में आने वाले भूतकाल के विचार जो उसकी ईड़ा नाड़ी से आ रहे हैं और भविष्य काल के विचार जो उसकी पिंगला नाड़ी से आ रहे हैं वे सारे विचार शांत हो जाते हैं क्योंकि उसकी ये दोनों नाड़ियां मध्य सुषुम्ना नाड़ी जो रीढ़ की हड्डी के अंतःस्थित हैं जिसे ब्रह्म नाड़ी भी कहा गया है उसमें विलीन हो जाती हैं और उस साधक के पिंड में स्थित कुंडलिनी शक्ति जो प्राण शक्ति है जीवनी शक्ति है वह उर्ध्वगामी बनकर उसके ब्रह्म रंध्र को छेद कर उसे निर्विचार अवस्था प्रदान करती है यही सच्चा ज्ञान है। ध्यान में स्थित साधक उस ब्रह्म शक्ति से अद्वैत स्थापित करता है और इस प्रकार के नियमित ध्यान अभ्यास से वह धीरे-धीरे अपने सारे षडरिपुओं से छूटकर ब्रह्मानंद में लीन होता है। यह ज्ञान अनुभव एक अनुपम सुंदर अवस्था है जिसे हर कोई प्राप्त कर सकता है। महाराष्ट्र के प्रसिद्ध संत श्री ज्ञानेश्वर जी कहते हैं, 'जग ही उसकी वस्तुप्रभा' अर्थात व ब्रह्म शक्ति संपूर्ण ब्रह्मांड में विराजित है और यह भौतिक चक्र उस चैतन्य शक्ति का प्रकृटीकरण है। ऐसा होते हुए भी हम देखते हैं कि हमारा जीवन अनेक समस्याओं से भरा पड़ा है उन सारी समस्याओं से निजात पाने का एक ही उपाय है वह है उस ब्रह्म शक्ति से एकाकारिता

ध्यान की शक्ति को प्रमाणित करता है विश्व द्वारा ध्यान दिवस का आयोजन । हमें प्रण लेना चाहिए कि हम हमारा आत्म साक्षात्कार पाकर उसे ब्रह्म शक्ति से एकाकारिता स्थापित करें और भारतीय तत्व ज्ञान में वर्णित मंत्र वाक्यों को आत्मसात करें। और अपने जीवन को प्रेम, वात्सल्य, करुणा, समाधान, निर्भयता, भक्ति और समर्पण जैसी दैवीय संपदाओं सुसज्जित करें। तो आइए ज्ञान की कला सीखते हैं सहज योग के माध्यम से। सहजयोग पूर्णतया निःशुल्क है। अधिक जानकारी टोल फ्री नंबर 18002700800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

नायक समाज के युवा योगेश चौहान जी, रवि नायक और रोहन नायक, परिवार जन की सहायता के लिए निस्वार्थ भाव से आगे आए!

दीपक वाड़ेकर

सह संपादक

देपालपुर के ग्राम फरकोदा मे रहने वाले समदरसिंह भाटी जिनके बेटे विशाल भाटी की 18 दिसम्बर 2025 को दो बाइक आपस मे टकराने से गंभीर एक्सीडेंट हो गया था! इस एक्सीडेंट से विशाल भाटी की स्थिति नाजुक हो गई! परिवार जन ने आपातकालीन स्थिति के चलते विशाल भाटी को इंदौर के गोकुलदास हॉस्पिटल मे ICU मे भर्ती करवा दिया! जहाँ विशाल भाटी को हॉस्पिटल मे भर्ती करते हीं लाख रू का बिल बन गया! जबकि परिवार जन की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है! जो हॉस्पिटल का लाखो रूपये का खर्च उठाने मे असमर्थ थे! पर जैसे हीं नायक समाज के युवा योगेश चौहान जी और क्षत्रिय नायक समाज के नगर अध्यक्ष रोहन नायक और भाई रवि नायक को खबर लगी वो तत्काल गोकुलदास हॉस्पिटल पहुचे और विशाल भाटी की स्थिति देखी और परिवार जन से बात करी! परिवार जन ने बताया के यहां पर आयुष्मान कार्ड भी नहीं लग रहा है और बिल लाखो मे जा रहा है! योगेश चौहान जी और रोहन नायक जी ने तत्काल इंडेक्स हॉस्पिल कॉल किया और इंडेक्स हॉस्पिटल मे आयुष्मान कार्ड लगवाया और तत्काल विशाल भाटी को गोकुलदास हॉस्पिटल से रेफर करके इंडेक्स हॉस्पिटल मे ICU वार्ड मे भर्ती करवाया और इलाज शुरू करवाया! योगेश चौहान जी / रोहन नायक और रवि नायक की इस निस्वार्थ भाव समाज जन के प्रति सेवा देख कर विशाल भाटी के परिवार जन ने धन्यवाद व्यक्त किया!

जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा करैरा विकासखंड के विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण

जिला शिक्षा अधिकारी श्री विवेक श्रीवास्तव द्वारा आज करैरा विकासखंड के विभिन्न स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान आईटीबीपी करैरा, कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करैरा, एवं उत्कृष्ट विद्यालय करैरा का अवलोकन किया गया। साथ ही हाई स्कूल एवं हाई सेकेंडरी विद्यालयों के सभी प्राचार्यों की बैठक उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में आयोजित की गई। निरीक्षण के दौरान आईटीबीपी विद्यालय के छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक स्तर संतोषजनक एवं प्रेरणादायक पाया गया। जिला

शिक्षा अधिकारी ने शिक्षकों को निर्देशित किया किबोर्ड परीक्षा परिणाम 100% लाने के लिए छात्रों को पूर्व प्रश्नपत्र, ब्लूप्रिंट एवं भोपाल से प्राप्त शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई जाए।ड्रॉपबॉक्स में उपलब्ध छात्राओं को तीन दिवस में चिन्हित कर उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाए।सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का त्वरित समाधान किया जाए।छात्रों के बैंक अकाउंट की जानकारी अद्यतन रखकर छात्रवृत्ति का लाभ सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने सभी अधिकारियों से ई-अटेंडेंस अनिवार्य रूप से लगाने की अपील की।

महूगाँव और इंदौर के नालों से ज़हरीली हो रही मालवा की जीवनदायिनी

महू मालवा क्षेत्र की जीवन रेखा कही जाने वाली और ऐतिहासिक 'जानापाव' से निकलने वाली गंभीर नदी आज अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है स्थानीय नगर निकायों की लापरवाही के चलते नदी में बिना उपचार (Untreated) के गंदा पानी, सीवेज और ठोस कचरा सीधे बहाया जा रहा है, जिससे न केवल जल प्रदूषित हो रहा है, बल्कि जलीय जीव भी दम तोड़ रहे हैं।

पूर्व मंडल अध्यक्ष, जयेश यादव ने इस गंभीर स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (MPPCB) सहित उच्चाधिकारियों को एक सामूहिक शिकायत पत्र भेजा है। शिकायत में विशेष रूप से गौशाला घाट, तेलिखेड़ा और महुगाँव क्षेत्र का उल्लेख किया गया है, जहाँ नगर परिषद महुगाँव और इंदौर नगर निगम के नालों का ज़हरीला पानी सीधे नदी में मिल रहा है कानूनी प्रावधानों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है शिकायतकर्ता ने बताया कि यह कृत्य 'जल प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम 1974' और 'पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986' का खुला उल्लंघन है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल

(NGT) के स्पष्ट आदेश हैं कि नदियों में बिना ट्रीटमेंट के सीवेज नहीं डाला जा सकता, फिर भी स्थानीय प्रशासन 'पोल्यूटर पेज' (Polluter Pays) सिद्धांत की अनदेखी कर रहा है।

वर्तमान में है डरावनी स्थिति..

काला पानी और दुर्गंध नदी का पानी पूरी तरह काला पड़ चुका है और आसपास के क्षेत्रों में भारी दुर्गंध फ़ैल रही है बीमारियों का खतरा दषित पानी के कारण डेंगू, हेपेटाइटिस जैसी बीमारियों और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। जैव विविधता का विनाश मछलियों और अन्य जलचरों की मृत्यु के संकेत मिल रहे हैं। धार्मिक आस्था को ठेस शिप्रा और चंबल में मिलने वाली इस पवित्र नदी की शुद्धता खत्म होने से स्थानीय लोगों की धार्मिक भावनाएं भी आहत हो रही हैं। जिसमें प्रमुख मांगें में शिकायत पत्र के माध्यम से मांग की गई है कि नदी में गिर रहे नालों का तत्काल संयुक्त सर्वे किया जाए। सीवेज का बहाव तुरंत रोककर STP (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) की उचित व्यवस्था की जाए। लापरवाह अधिकारियों पर दंडात्मक कार्रवाई हो प्रदूषण बोर्ड द्वारा जल गुणवत्ता की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। नदी केवल पानी का स्रोत नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति और जीवन का आधार है यदि समय रहते प्रशासन ने कड़े कदम नहीं उठाए, तो मालवा की यह धरोहर हमेशा के लिए विलुप्त हो जाएगी।

शहडोल में रसियन कोच ओलीसिया का हुआ पारंपरिक सम्मान

रणजीत टाइम्स

शहडोल, संभागीय मुख्यालय शहडोल में आयोजित राष्ट्रीय बास्केटबाल प्रतियोगिता के अंतर्गत नेशनल चैंपियन रह चुकी आईपीएससी टीम हैदराबाद के साथ आईं कोच ओलीसिया का शाल एवं श्रीफल भेंट कर भारतीय परंपरा के अनुरूप सम्मान किया गया। कोच ओलीसिया राष्ट्रीय बास्केटबाल प्रतियोगिता में भाग ले रही आईपीएससी टीम हैदराबाद के साथ शहडोल पहुंची हैं। उन्होंने बताया कि वे मध्यप्रदेश में पहली बार आई हैं। भारत उनके लिए नया नहीं है, क्योंकि वे हैदराबाद के एक व्यवसायी से विवाह कर भारत की बहू बन चुकी हैं।

कोच ओलीसिया ने कहा कि शहडोल के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल इन प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें उचित मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान करने की है। उन्होंने कहा कि खेलों में सफलता प्राप्त करने के लिए नियमित मार्गदर्शन के साथ निरंतर अभ्यास अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर सहायक संचालक खेल श्री रईस अहमद, बास्केटबाल कोच श्री के.के. श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारियों द्वारा कोच ओलीसिया का अभिनंदन किया गया। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग ले रहे खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। उल्लेखनीय है कि शहडोल में 19 दिसंबर से 23 दिसंबर तक राष्ट्रीय बास्केटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें देशभर से आई टीमें सहभागिता कर रही हैं।

महू में ईसाई समुदाय ने निकाली रैली

क्रिसमस से पहले दिया एकता और भाईचारे का संदेश, शहरवासियों को चॉकलेट बांटी महू क्रिसमस पर्व से पहले रविवार को महू शहर में ईसाई समुदाय ने रैली निकाली।

इस रैली का आयोजन मध्य प्रदेश यूनाइटेड क्रिश्चियन एसोसिएशन और चैरिटेबल ट्रस्ट ने किया। बड़ी संख्या में समाज के लोग इस रैली में शामिल हुए। रैली सेंट मैरी स्कूल से शुरू होकर प्रमुख मार्गों से होती हुई निकली। रैली में कई लोग सांता क्लॉस की वेशभूषा में थे और उन्होंने शहरवासियों को चॉकलेट बांटे। छोटे बच्चे भी सांता क्लॉस बनकर विभिन्न गानों पर नृत्य करते दिखाई दिए। रैली के अलावा, समाज के सदस्य रोजाना एक-दूसरे के घर जाकर कैरोल गीत गा रहे हैं और एक-दूसरे को क्रिसमस की बधाई दे रहे हैं। इस प्रकार समाज में खुशियों और भाईचारे का माहौल कायम किया जा रहा है।

प्रदेश के युवाओं को नौकरी देने वाले युवा बनाने की दिशा में औद्योगिक विकास रंग लाएगा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

रणजीत टाइम्स

इन्दौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर में रविवार को गाँधी हाल में आयोजित मालवा के सांस्कृतिक कार्यक्रम लिट चौक टॉक शो में शामिल हुए। यहां वरिष्ठ पत्रकार एवं एंकर श्री अनंत विजय द्वारा कला, साहित्य, विकास, फिल्म आदि के बारे में पूछे गये सवालों का सिलसिलेवार उत्तर दिया। चर्चा का विषय था – "मोहन का धर्म : राजधर्म"। इस दौरान उपस्थित युवा जन मुख्यमंत्री की हाजिर जवाबी और विषय विशेषज्ञता के कायल हुए। आरंभ में लिट चौक के आयोजक श्री निखिल दुबे और सुश्री धरा पाण्डे ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया। एंकर श्री अनंत विजय ने सबसे पहला सवाल किया कि आपकी नजर में कुटुम्ब प्रबोधन क्या है? इस प्रश्न का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि संयुक्त परिवार भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा है। कुटुम्ब परिवार में अमरता होती है। उन्होंने अपने परिवार का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि संयुक्त परिवार में रहने से आपसी प्रेम, सहयोग और संस्कारों का विकास होता है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के सभी जीव, पेड़-पौधे सभी कुटुम्ब परिवार ही है जो एक-दूसरे के सहारे अपना जीवन यापन करते हैं। जिस प्रकार पेड़ हमसे कार्बन डाईऑक्साइड लेते हैं और हमें ऑक्सीजन देते हैं, उसी तरह प्रकृति में सभी एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि संयुक्त परिवार में बड़ों से संस्कार, अनुभव और जीवन मूल्यों की सीख मिलती है। उन्होंने संयुक्त परिवार प्रणाली को समाज को जोड़ने वाली परंपरा बताते हुए इसे बनाए रखने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और एंकर श्री अनंत विजय के मध्य सवाल-जवाबों का सिलसिला लगातार चलता रहा। श्री आनंद ने मुख्यमंत्री जी से अपने बेटे का विवाह सामूहिक सम्मेलन में करने, प्रदेश में सिनेमा नीति और रंगमंच को लेकर किये जा रहे कार्य, राजनीति में युवाओं की भूमिका, युवाओं में देशभक्ति की भावना, विकास में युवाओं से अपेक्षाएं जैसे कई कई विषयों पर सवाल-जवाब किये। जिनके मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बेबाकी से जवाब दिये।

रोजगार मांगने वाले नहीं, रोजगार देने वाले बनें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं का आह्वान किया कि वे रोजगार मांगने वाले नहीं, रोजगार देने वाले बनें। उन्होंने कहा कि युवा अपनी कर्मठता, क्षमता, बुद्धिमता के बल पर जिस भी क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं, वे आगे बढ़े और प्रदेश के विकास में अपना योगदान देवें। प्रदेश में औद्योगिक विकास यहां के युवाओं नोकरी देने वाले युवा बनाने की दिशा में किया जा रहा है। प्रदेश सरकार हर कदम युवाओं के साथ है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीति स्वरोजगार, उद्योग स्थापना के लिये सहयोगी हैं। शिक्षा वही जो भविष्य को संवारे, इसलिये नीति में कौशल ज्ञान को संवारने के सभी प्रबंध किये गये हैं, क्योंकि स्वाभिमान के साथ जीवन जीना सबका हक है।

राजनीति में युवाओं को आगे आने की जरूरत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज युवाओं से पूछने पर हर कोई कहता है कि वह डॉक्टर, इंजीनियर, कलेक्टर बनना चाहता है, परंतु कोई यह नहीं कहता कि वह राजनीति करना चाहता है। देश को आजादी दिलाने में सबसे अधिक युवाओं ने ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का उदाहरण देते हुए बताया कि वे पहले युवा थे जिन्होंने आईएएस की परीक्षा प्रावीण्य सूची में उत्तीर्ण की थी। इसके बाद भी उन्होंने देशसेवा को चुना। उन्होंने युवाओं से आव्हान किया कि राजनीति में युवाओं को आना पड़ेगा, तभी देश के लोकतंत्र को मजबूत और सुरक्षित रखा जा सकता है। कोई भी कार्य आनंद और निडरता करें एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से कहा कि जो भी काम करें, उसे पूरी ईमानदारी और तन्मयता से करें, उस कार्य में डूब जायें। कोई भी काम को आनंद से करें तो निश्चित ही उसमें सफलता मिलेगी। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण का उदाहरण देते हुए बताया कि किस तरह श्रीकृष्ण ने निडरता और आनंद के साथ कालिया नाग को परास्त किया था।

मित्र के लिये जीवन भर रखना चाहिये समान भाव- इस दौरान उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा के मित्रता का भी अदभूत उदाहरण बताकर युवाओं को मित्रता के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मित्र के लिये जीवन भर समान भाव रखना चाहिये। जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं परंतु मित्र की हमेशा मदद करना चाहिये। उन्होंने कहा कि जिस तरह भगवान श्रीकृष्ण के लिये द्वारका, मथुरा का महत्व है, उसी तरह भगवान श्रीकृष्ण से संबंधित प्रदेश में स्थित समस्त स्थलों को श्रीकृष्ण पाथेय के नाम से तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करने का कार्य प्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा है। फिल्म निर्माताओं के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध सिनेमा नीति पर पूछे गए सवाल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश को फिल्म निर्माण का प्रमुख केंद्र बनाने के उद्देश्य से राज्य में सिनेमा नीति को प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सिनेमा नीति के तहत फिल्म निर्माताओं को एकल खिड़की प्रणाली के माध्यम से शूटिंग की अनुमतियाँ सरल और समयबद्ध रूप से प्रदान की जा रही हैं। शूटिंग स्थलों पर प्रशासनिक सहयोग, सुरक्षा व्यवस्था एवं आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे फिल्म निर्माण में किसी प्रकार की बाधा न हो। उन्होंने कहा कि सरकार फिल्म निर्माताओं के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है और आने वाले समय में मध्यप्रदेश को देश के अग्रणी फिल्म निर्माण स्थलों में शामिल किया जाएगा।

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने किया लोकमाता देवी अहिल्याबाई की प्रतिमा का अनावरण

रणजीत टाइम्स

इंदौर । उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के डेली कॉलेज परिसर में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर अतिथियों ने लोकमाता अहिल्याबाई के सुशासन, सामाजिक न्याय, धर्मनिष्ठा और लोककल्याणकारी कार्यों को स्मरण करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री विक्रम सिंह पंवार एवं अटल फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती माला वाजपेयी तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इस मौके पर अन्य जनप्रतिनिधि, डेली कॉलेज के स्टाफ, शिक्षाविद्, छात्र-छात्राएँ एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

उप राष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन को इंदौर एयरपोर्ट पर राज्यपाल श्री पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्मृति चिन्ह भेंट कर दी विदाई

इंदौर। उप राष्ट्रपति श्री राधाकृष्णन इंदौर में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेई के 100 वें जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर रविवार को आयोजित शून्य से शतक कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के पश्चात उप राष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन को देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्मृति चिन्ह भेंट कर दी विदाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विदाई के दौरान लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर का मोमेंटो भेंट किया। उप राष्ट्रपति श्री राधाकृष्णन देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट इंदौर से नई दिल्ली के लिये प्रस्थान किया। इस दौरान नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार के सचिव ने किया "दूध पाउडर प्लांट" इंदौर का भ्रमण

"इन्दौर सहकारी दुग्ध संघ" मे 76.50 करोड़ की लागत से बनाया गया प्रतिदिवस 30 मेट्रिक टन क्षमता वाला संयंत्र

पत्रकार खुशबू श्रीवास्तव

भोपाल। पशुपालन और डेयरी विभाग भारत सरकार के सचिव श्री नरेश पाल गंगवार ने भारत सरकार की नेशनल प्रोग्राम फार डेयरी डेवलपमेंट योजना के घटक ''सहकारी समितियों के माध्यम से डेयरी'' के अंतर्गत इंदौर सहकारी दुग्ध संघ में निर्मित ''दूध पाउडर प्लांट'' का भ्रमण 19 दिसंबर 2025 को किया। श्री गंगवार ने स्काडा स्वचलित आधुनिक संयंत्र की सराहना की। श्री गंगवार को संयंत्र विशेषज्ञ द्वारा अवगत कराया गया कि संयंत्र के संचालन से अधिक से अधिक मात्रा मे किसानो से दूध क्रय किया जा सकेगा तथा अतिषेष दूध का निस्तारण भी होगा, जिससे दुग्ध उत्पादक किसानो की आय मे वृद्वि होगी। भ्रमण के दौरान एमपीस्टेट कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (एमपीसीडीएफ) भोपाल के प्रबंध संचालक डॉ. संजय गोवाणी, दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बलवीर शर्मा सहित संयंत्र विशेषज्ञ दल साथ रहा। उल्लेखनीय है कि इन्दौर सहकारी दुग्ध संघ के 30 मेट्रिक टन प्रतिदिवस क्षमता के पाउडर प्लांट का वर्चुअल उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा 11 अक्टूबर 2025 को कृषि विज्ञान परिसर, पूसा, नई दिल्ली से किया गया था।

भारत सरकार की सहायता से संयंत्र का निर्माण

भ्रमण के दौरान सचिव श्री गंगवार को अवगत कराया गया कि ''दूध पाउडर प्लांट'' परियोजना की कुल लागत 76.50 रूपए करोड है। जिसमे रू. 29.50 करोड एनडीडीबी के माध्यम से एनपीडीडी कॉमपोनेन्ट-बी, डीटीसी-जापान इंटरनेशनल कार्पोरेशन एजेन्सी, भारत सरकार की योजना के द्वारा सहायता प्रदान की गई तथा शेष राशि इन्दौर सहकारी दुग्ध संघ के स्वयं के स्त्रोत से की गई है। संयंत्र की स्थापना का कार्य भारत सरकार की कंपनी मेसर्स हिंदुस्तान मशीन टूल्स से कराया गया। इस संयंत्र के माध्यम से होल मिल्क पाउडर, स्किम मिल्क पाउडर तथा डेरी व्हाईटनर इत्यादि निर्मित किए जाएंगे। यह भी अवगत कराया कि यह दूध पाउडर संयंत्र, स्काडा (प्लांट पर्यवेक्षी नियंत्रण और डेटा

अधिग्रहण) स्वचलित है, यह कंप्यूटर आधारित प्रणाली है जिसका उपयोग औद्योगिक उपकरणों और प्रक्रियाओं की निगरानी करने, डेटा एकत्र करने और उन्हें नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। जिसमे प्रतिदिन 03 लाख लीटर दूध से लगभग 30 मेट्रिक टन प्रतिदिवस दुग्ध चूर्ण का निर्माण किया जावेगा। फ्लश सीजन में प्रतिदिन अतिशेष रहने वाले दूध का पूर्ण उपयोग किया जावेगा।

दुग्ध सहकारी समिति पंच पिपलाई पहुंचे

श्री गंगवार ने उज्जैन सहकारी दुग्ध संघ की दुग्ध सहकारी समिति पंच पिपलाई (1977 से संचालित) का भ्रमण किया। उन्होंने समिति सदस्यों से दुग्ध उत्पादन में बढोत्तरी करने, डेयरी व्यवसाय को अधिक से अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया। समिति सदस्यों ने उचित दाम पर दूध क्रय करने, दूध का भुगतान (माह में तीन बार) नियमित होने और दुग्ध समितियों को सहकारिता से जोडने के प्रयास पर सांची परिवार के सहयोग की सराहना की तथा सांची द्वारा नए-नए नवाचारों के माध्यम से डेयरी व्यवसाय को भी बढावा देने पर सांची का धन्यवाद देते हुए कहा कि हम सभी किसानों का सांची से एक मजबूत रिश्ता बन गया है। श्री गंगवार ने किसानों का सांची के प्रति आत्मविश्वास देखकर प्रशन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर एमपीसीडीएफ भोपाल के प्रबंध संचालक डॉ. संजय गोवाणी, उज्जैन सहकारी दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री धनराज खत्री सहित संघ का फील्ड ऑपरेशन अमला, समिति सचिव श्री पोप सिंह मौजूद रहे ।

एआई से पैदा हुई बछिया को देखा

श्री गंगवार ने दुग्ध सहकारी समिति पंच पिपलाई में एक किसान के घर पर भी पहुंचे और वहां पर सेक्सड सॉर्टेड सीमेन तकनीक (एआई) से पैदा हुई स्वस्थ बछिया को देखकर प्रशन्नता व्यक्त की तथा दुग्ध समृद्धि अभियान के बारे में जानकारी भी प्राप्त की। उन्होंने पंच पिपलाई गांव के किसानों को दुग्ध उत्पादन बढाने की वैज्ञानिक तकनीक से अवगत कराया और कृत्रिम गर्भाधान द्वारा नस्ल सुधार, सेक्सड सॉर्टेड सीमेन तकनीक की जानकारी, संतुलित पशु पोषण सहित पशुओं को बीमारियों से बचाव एवं टीकाकरण की जानकारी से अवगत कराया। इस अवसर पर पशुपालन विभाग मध्यप्रदेश के डायरेक्टर श्री पीएस पटेल सहित विभागीय अमला भी साथ रहा।

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिएः 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जजबातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

युवा समाज सेवी राकेश भंडारी ने जानकरी दी....

श्री परशुराम महादेव मंदिर संचालन समिती पूर्वी क्षेत्र इंदौर की ओर से

प्रति माह अमावस्या के पावन पर्व पर श्री परशुराम महादेव मन्दिर समिति के तत्वावधान में आयोजित समरसता भोज सेवा ही परम धर्म है इसी भाव को आत्मसात करते हुए श्रद्धा और भक्ति से ओत-प्रोत सभी धर्मप्रेमी जनों को स्नेहपूर्वक भोजन प्रसाद वितरित किया गया। यह आयोजन केवल तृप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, करुणा और आपसी एकता का संदेश देने वाला भी रहा। मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और इसी भावना को साकार करते हुए इस अवसर ने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की परंपरा को पुनः जीवंत किया।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट की बदमाशों एवं असमाजिक तत्वों के साथ ही लापरवाह वाहन चालकों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही लगातार जारी

रणजीत टाइम्स» » आदित्य शर्मा

पुलिस द्वारा देर रात्रिं की विशेष चैकिंग में गुंडे/बदमाशो व असामाजिक तत्वों को चेक करते हुए, 259 पर की उचित वैधानिक कार्यवाही। शराब पीकर वाहन चलाने वाले 138 लापरवाह वाहन चालकों के विरुद्ध की गई 185 मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही। विभिन्न प्रकरणों में वांछित कुल 117 से ज्यादा गैर जमानती वारंटियों को पकड़ा गया

हॉटस्पॉट व शैडो एरिया में ड्रोन पेट्रोलिंग कर भी, की गई चैकिंग व निगरानी इंदौर- शहर में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण हेतु पुलिस कमिश्नर इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में , इंदौर शहर के चारों जोन में, दिनांक 20-21 नवंबर की दरमियानी रात में 11 से 02 बजे तक नगरीय इंदौर के संबंधित क्षेत्र के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों व थाना प्रभारियों के साथ पुलिस फोर्स ने सभी थाना क्षेत्रों में गुंडे बदमाशों असामाजिक तत्व पर निगरानी एवं धरपकड़ के लिए विशेष चैकिंग की गई। इस दौरान इंदौर पुलिस द्वारा गुंडे/बदमाशों व असामाजिक तत्वों की निगरानी करते हुए लापरवाह वाहन चालकों सहित 259 पर उचित वैधानिक कार्यवाही की गई हैं....

जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रकरणों में वांछित कुल 117 से ज्यादा वारंटों को कराया गया तामील, जिसमें लंबे समय से फरार-- 52-स्थाई, 65-गिरफ्तारी इस प्रकार कुल 117-गैर जमानती वारंट किए तामील । इस दौरान अवैधानिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए शराब पीकर वाहन चलाने वाले लापरवाह वाहन चालकों पर कड़ा प्रहार करते हुए, 138 वाहन चालकों के विरुद्ध 185 मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही की गई(जिसमें 93 दोपहिया व 45 चार पहिया शराबी वाहन चालक है)। और ये कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी ताकि शराब पीकर वाहन चलाते हुए लोगों की जान जोखिम में डालने वाले ऐसे लापरवाह वाहन चालकों की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जा सके। ब्लैक फ़िल्म लगाने वाले-03 व हूटर वाले-01 , इस प्रकार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 04 वाहनों के विरुद्ध भी की गई मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही। इस दौरान विशेष चैकिंग व ड्रोन पेट्रोलिंग से निगरानी करते हुए हॉट स्पॉट, शैडो एरिया चैक करते हुए क्षेत्र के अपराधिक प्रवृत्ति के गुंडे/बदमाशों, आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों चैक कर, उन्हें आगे कोई अपराध ना करने की हिदायत दी गई । इस दौरान कई फरार अपराधी भी पुलिस की गिरफ्त में आये है, जिनके विरुद्ध वैद्यानिक कार्यवाही की जा रही है इंदौर पुलिस द्वारा गुंडे/बदमाशों एवं असामाजिक तत्वों के साथ ही लापरवाह वाहन चालकों के विरुद्ध इस प्रकार की कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

बांग्लादेश के मुख्या मोहम्मद युनुस का किया पुतला दहन

मुर्दाबाद के नारो के साथ दी गई फांसी

रणजीत टाइम्स» » आदित्य शर्मा

बांग्लादेश में हिंदूओ पर हो रहे अत्याचार और नरसंहार के विरोध में सड़क पर आया सकल हिन्दू समाज बांग्लादेश में हिंदू समाज पर हो रहे नरसंहार एवं अत्याचारों के विरोध में आज एक तीव्र और प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया गया। अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनोज परमार के नेतृत्व में इंदौर स्थित गोपुर चौराहा पर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अमानवीय अत्याचारों के खिलाफ जनआक्रोश व्यक्त किया गया।

इस दौरान बांग्लादेश की वर्तमान सत्ता के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के पुतले को चौराहे पर सरेराह फांसी देकर आक्रोश का प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया गया। इसके पश्चात पुतले एवं बांग्लादेश के झंडे को जलाकर हिंदू समाज पर हो रहे नरसंहार के प्रति विरोध दर्ज कराया गया।

इस विरोध प्रदर्शन के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि हिंदू समाज पर हो रहे अत्याचार किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विश्व समुदाय और भारत सरकार से मांग की गई कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो। यह प्रदर्शन हिंदू समाज की एकजुटता, जागरूकता और अन्याय के विरुद्ध दृढ़ संकल्प का प्रतीक रहा। इस दौरान मुख्य रूप परम् पूज्य महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 नितिन दास जी महाराज, सीटू छाबड़ा, विक्की ठक्कर, ऋतु छाबड़ा, रेखा सोलंकी डिंपल शर्मा, संगीता पाटोदी, अनुराधा वेद, नर्मदा गुर्जर, लता वर्मा, सुनीता ठाकुर, शिवानी तंवर , शैलेन्द्र जायसवाल, रेणुका सिसौदिया, पायल विश्वकर्मा, दिनेश हिरवे, दिनेश कुलपारे, लखन देपाले, पवन भावसार, राजा सांखला, संतोष अलोने राहुल सेन, मनीष जैन कुलदीप कसेरा, विकास पत्थरोड़, योगेश चौहान, शुभम चौहान रितेश परमार, भरत भार्गव, राजेश शास्त्री, रवि सोलंकी विशाल सारवान, लक्ष्मण खेड़े रघुराज पिपलाज, लोकेश सिंधिया, विशाल दंडोतिया, लखन देपाले, रोहित सावनेर, गौरव आंजना, संतोष अलोने, लोकेश मालवीय, रंजन, मोनू ठाकुर, संजय ठाकुर, रजत पंडित सहित सैकड़ो की संख्या में सकल हिन्दू समाज के कार्यकर्ता मौजूद रहे ll

'वॉइस ऑफ़ सेन्ट्रल इंडिया' सीज़न-3 का ग्रैंड फिनाले

सम्पन्नसुरों की साधना और प्रतिभा का हुआ भव्य सम्मान

इंदौर। मध्य भारत की उभरती गायन प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने वाले प्रतिष्ठित संगीत मंच 'वॉइस ऑफ़ सेन्ट्रल इंडिया' सीज़न–3 का भव्य ग्रैंड फिनाले एवं सुप्रसिद्ध पार्श्वगायिका मोना कामत का लाइव कॉन्सर्ट 21 दिसम्बर को लाभमंडपम ऑडिटोरियम, अभय प्रशाल, इंदौर में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह आयोजन श्री सम्पत सिंह श्रीमाल फाउंडेशन फॉर वेलफेयर ऑफ़ म्यूज़िक एवं स्वर श्रुति इवेंट्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। ग्रैंड फिनाले में मध्य भारत के विभिन्न नगरों से चयनित 20 प्रतिभागियों ने अपनी सधी हुई एवं भावपूर्ण प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

जूनियर वर्ग में रतलाम की 11 वर्षीय भुवि व्यास ने शास्त्रीय रचना 'छाप तिलक सब छीनी' प्रस्तुत कर विजेता का खिताब जीता, जबकि सीनियर वर्ग में इंदौर के हर्ष गंधर्व प्रथम स्थान पर रहे। अन्य विजेताओं में जूनियर वर्ग से अवनी बामनिया (प्रथम उपविजेता), काव्या अग्रवाल (द्वितीय उपविजेता) तथा सीनियर वर्ग से जय कुमार चौहान (प्रथम उपविजेता) और नरेन्द्र ठक्कर (द्वितीय उपविजेता) शामिल रहे। सभी विजेताओं व फाइनलिस्ट्स को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सोशल मीडिया वोटिंग के माध्यम से भुवि व्यास, जय कुमार चौहान एवं दिशा हीरवाले को भी विशेष सम्मान दिया गया। कार्यक्रम के साथ मोना कामत एवं संदीप कनोजिया का लाइव कॉन्सर्ट विशेष आकर्षण रहा, जिसमें प्रस्तुत लोकप्रिय गीतों और युगल प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। निर्णायक की भूमिका निभाते हुए मोना कामत ने प्रतिभागियों को उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम निर्देशक संदीप कनोजिया ने बताया कि यह मंच नवोदित प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। वहीं स्वर श्रुति इवेंट्स की निदेशक ऋचा शर्मा ने सभी अतिथियों व दर्शकों का आभार व्यक्त किया।